प्रादर्श प्रश्न पत्र 2011
विषय – भूगोल (Geography)
कक्षा – बारहवीं

समय– 3 घंटे पूर्णांक– 75

Time- 3 Hours **Maximum Mark – 75**

निर्देश–

i. सभी प्रश्न अनिवार्य है।

ii. प्रश्न पत्र में दिये गये निर्देश सावधानी पूर्वक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

iii. प्रश्न क्र. 1 से 4 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न है जिनके अन्तर्गत सही विकल्प का चयन, सही जोड़ी बनाना, रिक्त स्थानों की पूर्ति, एवं एक वाक्य में उत्तर प्रकार के प्रश्न दिये गये है। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है। 1 x 5 = 5 x 4 = 20 अंक

iv. प्रश्न क्रमांक 5 से 16 तक में आन्तरिक विकल्प दिये गये है।

v. प्रश्न क्रमांक 5 से 10 तक प्रत्येक प्रश्न के लिए 4 अंक एवं प्रश्नों के उत्तर लगभग 75 शब्दों में लिखना है।

vi. प्रश्न क्रमांक 11 से 15 तक प्रत्येक प्रश्न के लिए 5 अंक एवं प्रश्नों के उत्तर लगभग 120 शब्दों में लिखना है।

vii. प्रश्न क्रमांक 16 के लिए 6 अंक एवं उत्तर लगभग 150 शब्दों में लिखना है।

Instructions –

i. All questions are compulsory.

ii. Read the instructions of the question paper carefully and answer the questions.

iii. Q. No. 1 to 4 are objective type which choose the correct answers, match the column, Fill up the blanks and one sentance answer. Each question in allotted 5 marks.

iv. Internal options one given in Q. No. 5 to 16. 1 x 5 = 5 x 4 = 20 Marks.

v. Q. No. 5 to 10 carry 4 marks each and answer should be given in about 75 words.

vi. Q. No. 11 to 15 carry 5 marks each and answer should be given in about 120 words.

vii. Q. No. 16 carries 6 marks and answer should be given in about 150 words.

प्रश्न 1. निम्नलिखित रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

(i) मानव भूगोल के जन्मदाता .....है।

(ii) कॉफी मूलतः.....जलवायु का पौधा है।

(iii) भूगर्भ को खोदकर खनिज निकालने की क्रिया को ..... कहते है।

(iv) गंगा नदी .....महाद्वीप में है।

(v) बाम्बे हाई क्षेत्र में.....का उत्पादन होता है।

Fill in the blanks.

(i) The father of Human Geography is.....

(ii) The Coffee plant is originally the plant of.....climate.

(iii) Digging the earth core to extract the ore is called .....

(iv) The Ganga river is in.....continent.

(v) Mumbai high area is famous for production of.....

प्रश्न 2. एक वाक्य में उत्तर लिखिए।

1. फ्रांसीसी स्कूल के जनक कौन थे?
2. चावल उत्पादन के लिए कितना तापमान आवश्यक है?
3. भारत का सर्वप्रमुख सोयाबीन उत्पादक राज्य का नाम लिखिए?
4. टुन्ड्रा प्रदेश के एक महत्वपूर्ण पशु का नाम लिखिए?
5. शेरशाह सूरी ने कोलकाता से पेशावर तक किस सड़क का निर्माण करवाया?

Write the Answer in one sentence.

1. Who was the Father of Francies school?
2. For rice production how much temperature is required?
3. State with the Highest Production of Soyabeen in the India?
4. Write one important animal of Tundra region?
5. Give the name of road which was constructed by Shershah Suri from Colcutta to Peshawer?

प्रश्न 3. सही जोड़ियां बनाइये–

	अ	–	ब
(अ)	रेटजेल	–	संचार
(ब)	संदेशों का प्रेषण	–	भारत का मेनचेस्टर
(स)	इन्दिरा गांधी नहर	–	जर्मनी
(द)	अहमदाबाद	–	लोह अयस्क
(इ)	बेलाडीला	–	राजस्थान
		–	फ्रांस
		–	कोयला

Match the following.

	A	-	B
(a)	Retzel	-	Communication
(b)	Means of Transmission	-	Manchaster of India
(c)	Indira Gandhi Canal	-	Jermany
(d)	Ahemadabad	-	Iron-ore
(e)	Belladilla	-	Rajasthan
		-	Frans
		-	Coal

प्रश्न 4. बहुविकल्पीय प्रश्न –

(अ) सर्वोत्तम कोटि का कोयला है –

(i) लिग्नाइट (ii) पीट

(iii) विटुमिनस (iv) एन्थ्रेसाइट

(ब) भारत का प्रथम उपग्रह छोड़ा गया था –

(i) 1975 (ii) 1977

(iii) 1994 (iv) 1990

(स) निम्न में कौन सा आधारभूत उद्योग है –

(i) कागज उद्योग (ii) चीनी उद्योग

(iii) लोहा इस्पात उद्योग (iv) फर्नीचर उद्योग

(द) निम्न से कौन रोपण कृषि नहीं है –

(i) काफी (ii) गन्ना

(iii) गेहूं (iv) रबर

(इ) जनसंख्या की दृष्टि से भारत का विश्व में स्थान है –

(i) पहला (ii) तीसरा

(iii) दूसरा (iv) पांचवां

Objective type Questions.

(a) The best quality of Coal is -

(i) Lignite (ii) Peet

(iii) Bituminous (iv) Anthracites

(b) The first satellite of India was launched in -

(i) 1975 (ii) 1977

(iii) 1994 (iv) 1990

(c) Which one is the basic Industry -

(i) Paper Industry (ii) Sugar Industry

(iii) Iron and Steel Industry (iv) Furniture Industry

(d) Which is not the Plantation Agriculture -

(i) Coco (ii) Sugar care

(iii) Wheat (iv) Rubber

(e) From the Population's Point of view the position of India in the world is -

(i) I^{st} (ii) III^{rd}

(iii) II^{nd} (iv) V^{th}

प्रश्न 5. नगरीय अधिवास की प्रमुख चार विशेषताएं लिखिए?

Write the main four characteristics of Urban Settlements.

अथवा
Or

ग्रामीण अधिवास की प्रमुख चार विशेषताएं लिखिए?

Write the main four characteristics of rural settlements?

प्रश्न 6. स्वेज नहर के चार व्यापारिक महत्व लिखिए।

Write any four commercial importance of Svej Cannel.

अथवा
Or

पनामा नहर के चार व्यापारिक महत्व लिखिए।

Write any four commercial importance of Panama Cannel.

प्रश्न 7. जनसंख्या के वितरण एवं घनत्व को प्रभावित करने वाले कोई चार कारकों को समझाइयें।

Explain any four factors Effecting the Distribution and Density of Populations.

अथवा
Or

भारत में जनसंख्या वृद्धि को रोकने के चार उपाय लिखिए।

Write four ways to control growth in population in India.

प्रश्न 8. नगरीय बस्तियों के चार प्रकार लिखिये।

Write about four types of Urban Settlement.

अथवा
Or

ग्रामीण बस्तियों के चार प्रकार लिखिए।

Write about four types of Rural Settlement.

प्रश्न 9. सड़क परिवहन का महत्व लिखिए।

Explain the importance of Road Transport.

अथवा

Or

रेल परिवहन को प्रभावित करने वाले चार कारक लिखिए।

Write any four factors affecting Rail Transport.

प्रश्न 10. भूमि की गुणवत्ता को बनाये रखने के कोई चार उपाय लिखिए?

Write any four ways to keep up the quality of soil?

अथवा

Or

नगरी कचरे के निपटान के चार उपाय लिखिए?

Write any four ways to Urban waste disposal?

प्रश्न 11. ग्रामीण एवं नगरीय जनसंख्या में कोई पांच अंतर लिखिए।

Write five differences between rural and urban population.

अथवा

Or

उत्पादक एवं आश्रित जनसंख्या को संक्षिप्त में समझाइये।

Explain in short productive population and dependent population.

प्रश्न 12. लघु उद्योग एवं वृहद उद्योग मे महत्वपूर्ण पांच अंतर लिखिए।

Write five main differences between the small scale and large scale industries.

अथवा

Or

भारत में सूत्री वस्त्र उद्योग का केन्द्रीयकरण किस क्षेत्र में हुआ है और क्यों?

In which area centralization of "Cotton textile industries" is been done and why?

प्रश्न 13. दिये गये संसार के मानचित्र में निम्नलिखित दर्शाये –

1. ट्रान्स साइबेरियन रेलमार्ग।
2. मुम्बई से लंदन जलमार्ग।

3. न्यूयार्क बंदरगाह।

4. अमेजन नदी।

5. अंधमहासागर

State the following in the outline map the world –

1. Trans Siberiyan Rail Route.
2. Mumbai to London Water Route.
3. Newyork Port.
4. Amazon River.
5. Allantic Ocean.

अथवा

Or

दिये गये संसार के मानचित्र में निम्नलिखित को दर्शाइये।

1. केप काहिरा रेलमार्ग।

2. लंदन से न्यूयार्क जलमार्ग।

3. सेन फ्रांसिस्को नगर।

4. पनामा नहर।

5. अरब सागर।

Show the following in outline map of the world.

1. Cap-cairo Rail Route.
2. London to Newyork Water Rout.
3. Sanfranisco City.
4. Panama Canal
5. Arabian Sea.

प्रश्न 14. भारत के अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार की कोई पांच विशेषताएं लिखिये।

Write any five Charactersties of International Trade of India.

अथवा

Or

कृत्रिम उपग्रहों के पांच उपयोग लिखिए।

Write any five uses of Artifical Satellites.

प्रश्न 15. वनों से होने वाले कोई पांच लाभ लिखिए।

Write any five advantages from forests.

अथवा

Or

वन संरक्षण के कोई पांच उपाय लिखिए।

Write any five ways of forest conjuration.

प्रश्न 16. भारतीय कृषि की प्रमुख छः समस्याएं लिखिए।

Write any six problems of Indian Agriculture.

अथवा

Or

चावल की फसल के लिए आवश्यक भौगोलिक दशाएं लिखिए।

Write the necessary geographical conditions required for rice.

– – – – – –

आदर्श उत्तर

विषय – भूगोल (Geography)
कक्षा – बारहवीं

वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर –

उत्तर 1. रिक्त स्थान –

(i) फ्रेडटिक रेटजैल

(ii) उष्ण

(iii) खनन

(iv) एशिया

(v) पेट्रोलियम पदार्थ

(प्रत्येक सही पर 1–1 अंक एवं पांच पर पूर्ण 5 अंक प्राप्त होंगे)

उत्तर 2. एक वाक्य में उत्तर –

(i) विडाल डी.ला. ब्लाश

(ii) 24^0C से 27^0C

(iii) मध्यप्रदेश

(iv) रेनेडियर

(v) ग्राण्ड ट्रंक रोड़

(प्रत्येक सही पर 1–1 अंक एवं पांच पर पूर्ण 5 अंक प्राप्त होंगे)

उत्तर 3. सही जोडियां –

	अ	**–**	**ब**
(अ)	रेटजेल	–	जर्मनी
(ब)	संदेशों का प्रेषण	–	संचार
(स)	इन्दिरा गांधी नहर	–	राजस्थान

(द) अहमदाबाद – भारत का मेनचेस्टर

(इ) बेलाडीला – लोह अयस्क

(प्रत्येक सही पर 1–1 अंक एवं पांच पर पूर्ण 5 अंक प्राप्त होंगे)

उत्तर 4. बहुविकल्प –

(अ) एन्थ्रेसाइट

(ब) 1975

(स) लोह इस्पात उद्योग

(द) गेहूं

(इ) दूसरा

(प्रत्येक सही पर 1–1 अंक एवं पांच पर पूर्ण 5 अंक प्राप्त होंगे)

उत्तर 5. नगरीय अधिवास की विशेषताएं –

1. यहां के निवासियों का व्यवसाय द्वितीय एवं तृतीयक प्रकार का होता है। 1757 से अधिक लोगों का मुख्य व्यवसाय निर्माण उद्योगों में काम करना होता है।
2. इन अधिवासों का निर्माण ईट, पत्थर सीमेंट रेता मिट्टी आदि सामग्री से होता है। मकान कहीं–कहीं दो मंजिला, तीन मंजिला भवनों का निर्माण होता है।
3. ये अधिवास शिक्षा चिकित्सा, परिवहन आदि सुविधाओं से मुक्त रहते है। ये अधिवास में सभी प्रकार की सुविधाएं रहती है। अर्थात सर्वसुविधा जनक होते है।
4. यहां के मकान सघन होते है।

(उपरोक्तानुसार विस्तार करने पर प्रत्येक बिन्दु पर 1 अंक एवं पूर्ण पर 4 अंक प्राप्त होंगे)

अथवा

ग्रामीण अधिवास की विशेषताएं :–

1. यहां के लोग प्राथमिक व्यवसाय में लगे होते है जैसे कृषि पशुपालन मछली पालन आदि।
2. ग्रामीण अधिवासों का निर्माण स्थानीय सामग्री जैसे मिट्टी की दीवारें घास–फूंस, बांस, लकड़ी, खपरैल से बने होते हे।
3. इन अधिवासों में शिक्षा, स्वास्थ्य ,परिवहन की सुविधा कम रहती है। इन अधिवासों में शिक्षा व्यवस्था कम होती है।
4. ये अधिवास अनियोजित ढंग से बने होते है।

(उपरोक्तानुसार विस्तार करने पर प्रत्येक बिन्दु पर 1 अंक एवं पूर्ण पर 4 अंक प्राप्त होंगे)

उत्तर 6. स्वेज नहर का व्यापारिक महत्व निम्नलिखित है :–

1. स्वेज नहर के बन जाने से यूरोप और एशिया के कई शहरों की दूष्टियों में कमी आने से समय एवं धन की बचत हुई।
2. इस मार्ग के बन जाने से विश्व की तीन चौथाई जनसंख्या को यातायात का साधन उपलब्ध हुआ।
3. इस मार्ग पर जलयानों को पर्याप्त माल मिलता है।
4. इस मार्ग के बन जाने से सबसे अधिक फायदा यह हुआ कि जहाजों को अब अफ्रीका का चक्कर नहीं लगाना पड़ता है।
5. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के विकास में इसका बहुत बड़ा योगदान है।

(उपरोक्तानुसार में से किन्हीं चार बिन्दुओं के विस्तार करने पर प्रत्येक बिन्दु पर 1 अंक एवं पूर्ण पर 4 अंक प्राप्त होंगे)

अथवा

पनामा नहर का व्यापारिक महत्व :–

1. इस नहर के बनने से चक्करदार दूरियां कम हो जाती है यह इसका बहुत बड़ा महत्व है। अर्थात दक्षिणी अमेरीका महाद्वीप का चक्कर खत्म हो गया है।
2. पनामा नहर के बन जाने से अनेक देशों के व्यापार में वृद्धि हुई।
3. इस नहर के बन जाने से संयुक्त राज्य अमेरिका से कई प्रकार के सामान–खाद्य पदार्थ आदि का व्यापार प्रचुर मात्रा में होता है।
4. इस नहर के बन जाने से संयुक्त राज्य अमेरिका के पश्चिमी तटों पर स्थित बन्दरगाहों की दूरी पूर्वी तटों पर स्थित बन्दरगाहों से बहुत कम हो गई है।

(उपरोक्तानुसार विस्तार करने पर प्रत्येक बिन्दु पर 1 अंक एवं पूर्ण पर 4 अंक प्राप्त होंगे)

उत्तर 7. भारत में जन संख्या के घनत्व एवं वितरण को प्रभावित करने वाले कारक निम्नलिखित है :–

1. **धरातल :–** समतल मैदानी भागों में जनसंख्या का घनत्व अधिक पाया जाता है, जबकि पर्वतीय और पठारी भागों में कम पाया जाता है।
2. **जलवायु :–** सम तापमान की जलवायु में जनसंख्या घनत्व अधिक पाया जाता है, लेकिन अधिक गर्म और ठण्डी जलवायु में जनसंख्या का घनत्व कम पाया जाता है।
3. **खनिज पदार्थ** :– खनिज पदार्थ की उपलब्धता जनसंख्या के घनत्व को बढ़ाती है।
4. **औद्योगीकरण :–** उद्योगों का विकास भी जनसंख्या घनत्व में वृद्धि करता है क्योंकि यहां रोजगार के अवसर प्राप्त होते है।
5. **वर्षा :–** पर्याप्त वर्षा वाले स्थानों में जनसंख्या अधिक पायी जाती है, जबकि कम वर्षा एवं मरूथलीय इलाकों में बहुत कम जनसंख्या पायी जाती है।

6. **कृषि का विकास** :– जिन क्षेत्रों में कृषि का विकास अधिक होता है वहां जनसंख्या का घनत्व अधिक होता है।

इस प्रकार उपरोक्त कारणों के आधार पर जहां मानव आवास की सुविधाएं, आवास, भोजन, पानी, रोजगार, जीवन की सुरक्षा आदि आसानी से उपलब्ध होती है वहां जनसंख्या का घनत्व अधिक होता है।

(उपरोक्तानुसार विस्तार करने पर प्रत्येक बिन्दु पर 1 अंक एवं पूर्ण पर 4 अंक प्राप्त होंगे)

अथवा

भारत में जनसंख्या वृद्धि को रोकने के निम्नलिखित उपाय है :–

1. **शिक्षा के प्रसार द्वारा** :– ग्रामीण लोगों में शिक्षा का प्रचार–प्रसार किया जाकर अन्धविश्वास एवं अज्ञानता दूर कर जनसंख्या वृद्धि पर नियंत्रण किया जा सकता है।
2. **विवाह की आयु में वृद्धि** :– बाल विवाह पर पूर्ण रूप से नियंत्रण किया जाना चाहिए।
3. **सामाजिक सुरक्षा की गारंटी** :– सरकार द्वारा वृद्धावस्था में सामाजिक सुरक्षा की गारंटी देना चाहिए।
4. **परिवार कल्याण** :– इस कार्यक्रम को तीव्रता से लागू किया जाना चाहिए।
5. **जीवन स्तर ऊंचा उठाना** :– समाज में प्रत्येक व्यक्ति को जीवन स्तर ऊंचा उठाना आवश्यक है।
6. **स्त्री शिक्षा का प्रसार** :– स्त्री शिक्षा का प्रसार करने पर वे स्वयं छोटे परिवार के महत्व को समझेगी और बढ़े परिवार का विरोध करेगी। परिणाम स्वरूप जनसंख्या वृद्धि की दर में कमी आयेगी।

(उपरोक्तानुसार विस्तार एवं अन्य बिन्दुओं का भी विस्तार करने पर प्रत्येक बिन्दु पर 1 अंक एवं पूर्ण पर 4 अंक प्राप्त होंगे)

उत्तर 8. नगरीय बस्तियों के चार प्रकार निम्नलिखित है :–

1. **नगरीय पुरवा :–** इसमें मकानों की संख्या 20 से 150 तक होती है। यहां पोष्ट आफिस, स्कूल, बैंक, दुकाने, छोटे वर्कशाप होते है। ऐसे अधिवास अमेरिका और कनाड़ा में है।
2. **नगरीय गांव :–** नगरीय गांव की जनसंख्या लगभग 150 से 500 तक होती है, इन्हें नगरीय गांव भी कहते है।
3. **कस्बा** :– कस्बों की जनसंख्या 500 से 10000 तक होती है। उत्तरप्रदेश में गंगा–यमुना दो आब और गंगा–घाघरा दो आब में ऐसे ही नगर पाए जाते है।
4. **नगर :–** इनकी जनसंख्या 50000 से अधिक एवं 10 लाख से कम होती है।
5. **महानगर :–** 10 लाख से अधिक जनसंख्या वाले नगर महा नगर कहलाते है।
6. **नगर माला** :– महानगर के सन्निकट कई उपनगरों को जुड़ने से नगरमाला का विकास होता है।
7. **मेगालोपोलिस** :– 50 लाख से अधिक जनसंख्या वाले महानगरों को मेगालोपोलिस (मेगासिटी) कहा जाता है जैसे मुम्बई, लंदन टोकियो आदि।

(उपरोक्तानुसार विस्तार करने पर प्रत्येक बिन्दु पर 1 अंक एवं पूर्ण पर 4 अंक प्राप्त होंगे)

अथवा

ग्रामीण बस्तियों के प्रकार निम्नलिखित है :–

1. **बिखरे या एकांकी अधिवास** :– इस प्रकार के अधिवासों में कृषक अपने खेतों में झोपड़ी या छोटे मकान बनाकर रहते है। ये सामुदायिक सुविधाओं से वंचित रहते है। कृषि के साथ पशुपालन भी किया जाता है। भारत में इस प्रकार की बस्तियां हिमालय पर्वत श्रेणी की ढ़ालों एवं उत्तर प्रदेश के तराई

व खादर क्षेत्रों, पश्चिमी घाट तथा राजस्थान के पूर्वी व दक्षिणी भागों में देखने को मिलती है।

2. **अपखण्डित पुरना अधिवास :–** इनमं कुछ घरों या झोपड़ियों का समूह होता है जिनकी बसाहटका कोई प्लानिंग नहीं होता है।
3. **सघन या संहत अधिवास :–** इनमें मकान एक दूसरे से सटे हुए मिलते है और गांव के रूप में बसाहट होती है। इन क्षेत्रों में कृषि उत्पादन इतना अधिक होता है कि वह अधिवास की बड़ी जनसंख्या के भरण पोषण का निर्वाहन कर सकें।
4. **संयुक्त अधिवास :–** इस प्रकार के अधिवास में मुख्य रूप से एक गांव होता है तथा उस गांव के बाहर थोड़ी दूरी पर दो या अधिक पुरवे होते है।

(उपरोक्तानुसार विस्तार एवं अन्य बिन्दुओं का भी विस्तार करने पर प्रत्येक बिन्दु पर 1 अंक एवं पूर्ण पर 4 अंक प्राप्त होंगे)

उत्तर 9. सड़क परिवहन का महत्व निम्नलिखित है –

वर्तमान समय में सड़कों का महत्व दिन प्रतिदिन देखने को मिलता है। आवागमन, व्यापार आदि में सड़कों का बहुत महत्व है। सड़क मार्गों की निम्नलिखित विशेषताएं है :–

1. वर्तमान समय में देश के छोटे से छोटे गांव तक पहुंचने के लिए सड़क मार्ग की सुविधा है।
2. यात्री बस द्वारा सड़क रास्ते से एक स्थान से दूसरे स्थान तक शीघ्रता से पहुंचा जा सकता है।
3. माल वाहक ट्रक आदि सड़क रास्ते से एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाना आसान होता है।
4. शीघ्र खराब होने वाली वस्तुएं– सब्जी, अण्डे, मांस, मछली आदि माल वाहक गाड़ियों द्वारा उपभोक्ता केन्द्रों तक शीघ्र पहुचायी जा सकती है।
5. कम दूरी के लिए सड़क यातायात सुविधाजनक एवं कम खर्चीला होता है।

6. कृषि एवं लघु उद्योगों के विकास में सड़कों का विशेष योगदान एवं महत्व है।
7. संकट के समय, युद्ध अकाल महामारी में मददगार।
8. कम व मध्यम दूरी के लिए उपयुक्त साधन।

(उपरोक्तानुसार विस्तार करने पर प्रत्येक बिन्दु पर 1 अंक एवं पूर्ण पर 4 अंक प्राप्त होंगे)

अथवा

रेल परिवहन को प्रभावित करने वाले कारक निम्नलिखित है :–

1. **धरातल :–** पृथ्वी के धरातल का रेलमार्ग पर बहुत प्रभाव पड़ता है। समतली मैदान रेल मार्ग के लिए अनुकूल रहता है। लेकिन पर्वतीय और पठारी भागों में पृथ्वी का धरातल ऊंचा–नीचा होने के कारण चमकदार मार्ग बनाना पड़ते है, इस कारण रेल मार्ग बनाने में खर्च अधिक आता है।
2. **जलवायु :–** रेलमार्गों के विकास पर जलवायु का गहरा प्रभाव पड़ता है। वर्षा और दलदली भूमि से होकर जाने वाले रेलमार्ग बनाने में बड़ी बाधाएं आती है और खर्च भी अधिक होता है।
3. **आर्थिक तत्व :–** रेलमार्गों के विकास पर इस बात का बहुत प्रभाव पड़ता है कि वह औद्योगिक क्षेत्रों से घनी आबादी वाले शहरों से गुजरता है, घनी जनसंख्या, व्यापार आदि रेलों के विकास में बहुत सहायक होते है।
4. **राजनैतिक तत्व :–** राजनैतिक तत्वों में देश की सुरक्षा तथा राष्ट्रीय एकता जैसे तत्वों का रेलों पर स्पष्ट रूप से प्रभाव देखने को मिलता है।

(उपरोक्तानुसार विस्तार एवं अन्य बिन्दुओ पर भी विस्तार देने पर प्रत्येक बिन्दु पर 1 अंक एवं पूर्ण पर 4 अंक प्राप्त होंगे)

उत्तर 10. भूमि की गुणवत्ता ह्रास को बनाये रखने के उपाय :–

1. वृहद पैमाने पर वृक्षारोपण किया जायेः– कल कारखानों के किनारे पड़े पैमाने पर वृक्षारोपण करके भूमि की गुणवत्ता ह्रास को रोका जाए।
2. व्यवस्थित पशु चारणः– पशुओं के चरागाह हेतु प्रत्येक गांव में स्थान निश्चित किया जाए एवं पशुओं की अनियंत्रित चराई पर नियंत्रण किया जाए।
3. बांध निर्माणः– नदियों पर बांधों का निर्माण कर भूमि कटाव एवं उसकी गुणवत्ता को रोका जा सकता है।
4. खेतों के किनारे मेड़ का निर्माण :– खेतों की मेड़ों द्वारा भी भूमि के कटाव एवं गुणवत्ता ह्रास को होने से बचाया जा सकता है। इसलिए किसानों को खेतों की मेड़े बनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। भूमि की गुणवत्ता हेतु खेतों में खुर वाले जानवरों को नहीं भेजा जाए।

(उपरोक्तानुसार विस्तार करने पर प्रत्येक बिन्दु पर 1 अंक एवं पूर्ण पर 4 अंक प्राप्त होंगे)

अथवा

नगरीय कचरे के निपटान के उपाय :–

1. नगरीय कचरे से विद्युत बनाई जा सकती है और अपशिष्ट पदार्थों को समाप्त किया जा सकता है।
2. नगर के कचरे को एकत्रित कर ट्रेक्टर व ट्रकों से नगर के बाहर बने गड्डो में भरकर खाद का निर्माण भी किया जा सकता है।
3. कचरे से कांच आदि अलग कर खाद बनाई जा सकती है जो कृषि के लिये उपयुक्त होगी।
4. औद्योगिक कचरे का निपटान यंत्रों को लगाकर किया जा सकता है। जिससे प्रदूषण एवं कचरे का निपटान आसानी से किया जा सके। औद्योगिक कचरे का निपटान कर खाद बनाया जा सकता है।

(उपरोक्तानुसार विस्तार करने पर प्रत्येक बिन्दु पर 1 अंक एवं पूर्ण पर 4 अंक प्राप्त होंगे)

उत्तर 11. ग्रामीण जनसंख्या और नगरीय जनसंख्या में निम्नलिखित अन्तर है :–

क्र.	ग्रामीण जनसंख्या	नगरीय जनसंख्या
1	विश्व की कुल जनसंख्या का 53 प्रतिशत भाग गांवों में निवास करता है।	विश्व की कुल जनसंख्या का 47 प्रतिशत भाग नगरों में निवास करता है।
2	गांवों में निवास करने वाली जनसंख्या को ग्रामीण जनसंख्या कहते है।	छोटे–बड़े नगरों में निवास करने वाली जनसंख्या को नगरीय जनसंख्या कहते है।
3	इनकी वृद्धि की दर नगरीय जनसंख्या की अपेक्षा कम होती है।	इनकी वृद्धि की दर ऊंची होती है।
4	यहां रहने वाली जनसंख्या को जीविका का मुख्य आधार कृषि व्यवसाय व अन्य कुटीर उद्योग होते है।	यहां रहने वाली जनसंख्या, उद्योग एवं विभिन्न प्रकार की सेवाएं है।
5	इनका जीवन स्तर नीचा होता है।	इनका जीवन स्तर उच्च होता है।
6	इनके जीवन की गति धीमी होती है।	इनके जीवन की गति तेज होती है।

(उपरोक्तानुसार विस्तार करने पर प्रत्येक बिन्दु पर 1 अंक एवं पूर्ण पर 5 अंक प्राप्त होंगे)

अथवा

उत्पादक जनसंख्या :– उत्पादक जनसंख्या किसी देश की कुल जनसंख्या का वह भाग होती है जो काम करके, परिश्रम करके, अपना अपने परिवार का भरण पोषण करती है, हमारे देश में उत्पादक जनसंख्या का अनुपात 33.45 प्रतिशत है।

आश्रित जनसंख्या :– आश्रित जनसंख्या अर्थात् वह लोग जो दूसरों पर पूर्णतः आश्रित रहते है। किसी देश की कुल जनसंख्या का वह भाग जो धन अर्जन करने का कोई कार्य नहीं करता। इनमें 15 वर्ष से कम आयु वर्ग के बच्चे एवं 60 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के वृद्ध आते है। इनमें घर में कार्य करने वाली महिलाएं भी सम्मिलित है। ये लोग भरण पोषण के लिए दूसरों पर निर्भर रहते है। इसलिए इनको आश्रित जनसंख्या कहते है। हमारे देश में इनका अनुपात 66 प्रतिशत से अधिक है।

(उपरोक्तानुसार विस्तार करने पर प्रत्येक बिन्दु पर 1 अंक एवं पूर्ण पर 5 अंक प्राप्त होंगे)

उत्तर 12. लघु उद्योग व वृहत उद्योग में अंतर –

क्र.	लघु उद्योग	वृहत उद्योग
1	यह उद्योग छोटे स्तर पर होता है।	यह बड़े स्तर पर होता है।
2	इसमें कचचा माल स्थानीय स्तर पर उपलब्ध न होने पर दूरस्थ स्थानों से मंगाया जाता है।	इसमें कच्चा माल दूर स्थित स्थानों के अतिरिक्त विदेशों से आयात किया जाता है।
3	इसमें कम पूंजी और कम श्रम की आवश्यकता होती है।	इसमें अधिक पूंजी व अधिक श्रम की आवश्यकता होती है।
4	इसमें शक्किचालित साधारण मशीनों का प्रयोग होता है।	इसमें आधुनिक एवं स्वचालित बड़ी मशीनों का प्रयोग होता है।

5	इसमें बने हुए माल की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान नहीं दिया जाता है।	इसमें बने हुए माल की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाता है।
6	उत्पादित माल बाहर के बाजार में बेचा जाता है।	उत्पादित माल निर्यात किया जाता है।

(उपरोक्तानुसार विस्तार करने पर प्रत्येक बिन्दु पर 1 अंक एवं पूर्ण पर 5 अंक प्राप्त होंगे)

अथवा

भारत में सूती वस्त्र उद्योग का केन्द्रीयकरण मुम्बई एवं अहमदाबाद में हुआ है। इसके कारण निम्नलिखित है :–

1. भारत में मुम्बई के आस पास काली मिट्टी वाला कपास क्षेत्र की निकटता एवं किस्म की कपास के आयात की सुविधा है।
2. सागरीय आर्द्र जलवायु प्राप्त है।
3. पश्चिमी घाट से उत्पादित विद्युत की प्राप्ति।
4. यहां पूंजी की सुलभता है।
5. प्राकृतिक बन्दरगाह (मुम्बई) है जहां से मशीनों की आयात की सुविधा रहती है।

अहमदाबाद में केन्द्रीकरण के कारण :–

1. अहमदाबाद कपास क्षेत्र के मध्य स्थित है।
2. कुशल एवं अर्द्धकुशल श्रमिक पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है।
3. जल विद्युत की सुलभता।
4. सड़क व रेल मार्गों द्वारा अहमदाबा देश के आंतरिक मांग से जुडा है।
5. यहां मुम्बई की अपेक्षा श्रम व भूमि सस्ती है।

(उपरोक्तानुसार विस्तार करने पर प्रत्येक बिन्दु पर 1 अंक एवं पूर्ण पर 5 अंक प्राप्त होंगे)

उत्तर 13.

चित्र

अथवा

चित्र

उत्तर 14. भारत के विदेशी व्यापार की निम्नलिखित विशेषताएं है :–

1. **विदेशी व्यापार में लगातार वृद्धि :–** विगत कई वर्षों पूर्व से लेकर आज तक हम देख रहे है कि भारत के विदेशी व्यापार में लगातार वृद्धि हो रही है एवं पर्याप्त मूल और परिणाम में वृद्धि हो रही है।
2. **समुद्री मार्गों से व्यापार :–** भारत का लगभग 90 प्रतिशत व्यापार समुद्री मार्गों से होता है। स्थल मार्ग एवं वायु मार्ग से व्यापार बहुत कम मात्रा में होता है।
3. **निर्यात में परम्परागत वस्तुओं की अधिकता :–** भारत में निर्यात में व्यापार में परम्परागत वस्तुओं की अधिकता रहती है। इसमें चाय, जूट का सामान, तिलहन, खनिज पदार्थ, चमड़ा सूती वस्त्र आदि महत्वपूर्ण है।
4. **इलेक्ट्रानिक आदि सामग्री :–** भारत में विगत वर्षों में इलेक्ट्रानिक कम्प्यूटर, हार्डवेयर तथा साफ्टवेयर का निर्यात में उल्लेखनिय वृद्धि की है सबसे बड़ी विशेषता यह है कि विकसित देशों को इनका निर्यात किया जाता है।
5. **आयात व्यापार में भारी मशीनरी की अधिवक्ता :–** भारत में बड़े–बड़े उद्योगों की स्थापना के लिए मशीनरी का आयात बढ़ता जा रहा है। इसमें मशीने, कलपुर्जे आदि सामग्री सम्मिलित है।
6. **खाद्यान्नों तथा कच्चे माल के आयात में कमी :–** भारत में हरित क्रांति के कारण खाद्यान्नों का आयात कम हो गया है। इसी प्रकार कपास, पटसन के अधिक उत्पादन के कारण इनका आयात भी कम हो गया है।

(उपरोक्तानुसार विस्तार एवं अन्य बिन्दुओं पर भी विस्तार देने पर प्रत्येक बिन्दु पर 1 अंक एवं पूर्ण पर 5 अंक प्राप्त होंगे)

अथवा

कृत्रिम उपग्रह के उपयोग निम्नलिखित है :–

1. कृत्रिम उपग्रह से मौसम संबंधी जानकारी इनसे प्रेषित चित्रों के माध्यम से प्राप्त की जाती है जिसमें मौसम की अग्रिम जानकारी दी जा सकें।

2. कृत्रिम उपग्रह से संचार सेवाएं शुरू की गई। इससे प्रसारित माइक्रोवेब सेवा से एस.टी.डी., आई.एस.डी. सेवा शुरू की गई जिससे देश एवं विदेश के किसी भी भाग से तत्काल आपसी संपर्क किया जा सकता है।
3. दूर–दराज के दुर्गम स्थानों, निर्जन क्षेत्रों की वायरलेस एवं माइक्रोवेब व्यवस्था को उपग्रह संचार से जोड़कर शीघ्र सारे देश से जोड़ा जा सकता है।
4. उपग्रह संचार के द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर टेलीफोन, रेडियो, टेलीविजन सेवा से मौसम विज्ञान अन्य विविध प्रकार के समाचार प्रसारित किए जाकर देश की जनता को अवगत कराया जाता है।
5. देश के विभिन्न स्त्रोतो संसाधनों, भूविज्ञान, भूमिगत जल एवं अन्य संसाधनों का पता लगाने में कृत्रिम उपग्रह का बहुत बड़ा योगदान है।

(उपरोक्तानुसार विस्तार करने पर प्रत्येक बिन्दु पर 1 अंक एवं पूर्ण पर 5 अंक प्राप्त होंगे)

उत्तर 15. वनों से होने वाले लाभ निम्नलिखित है :–

1. **लकड़ी की प्राप्ति :–** वनों से हमें इमारती लकड़ी एवं व्यापारिक महत्व की लकड़ी प्राप्त होती है इनमें साल, सागौन, शीशम, चन्दन, आम, नीम, पीपल, देवदार आदि महत्वपूर्ण वृक्ष है।
2. **ईंधन की प्राप्ति :–** प्राचीन समय से लेकर विगत कुछ वर्षा पूर्व तक लकड़ी ही एकमात्र साधन था और आज भी ग्रामीण बस्तियों में खाना पकाने आदि में जंगल की सूखी लकड़ियों का पर्याप्त उपयोग किया जाता है।
3. **औषधियों की प्राप्ति** :– वनों में कई प्रकार की दुर्लभ जड़ी बूटियां पायी जाती है और कई प्रकार के रोगों के उपचार में इन्हें काम में लाया जाता है। आयुर्वेद में इनके प्रयोग संबंधी विस्तार से जानकारी दी गई है।
4. **बाढ़ पर रोक :–** पहाड़ी ढ़ालों और मैदानी भागों में घने जंगल होने से बाढ़ आने में रोक होती है।

5. **दुर्भिक्ष पर रोक** :– वनों से सबसे बड़ा अप्रत्यक्ष लाभ यह है कि अमाल या दुर्भिक्ष पर रोक लगती है और जनता में इसका भ्य कम हो जाता है।
6. **मिट्टी के कटाव की रोक** :– पेड़ों का सबसे बड़ा महत्व यह है कि ये मिट्टी के कटाव को रोकते है और पेड़ों की जड़े मिट्टी के कणों को थामे रहती है। इस कारण वन मिट्टी के कटाव को रोकन में सहायक होते है।

(उपरोक्तानुसार विस्तार एवं अन्य बिन्दुओं पर भी विस्तार देने पर प्रत्येक बिन्दु पर 1 अंक एवं पूर्ण पर 5 अंक प्राप्त होंगे)

अथवा

वन संरक्षण के उपाय संक्षिप्त वर्णन के साथ निम्नलिखित है :–

1. **वनों के विनाश पर रोक** :– वनों की नियमित देखभाल होना चाहिए। वृक्षो का घनत्व क्षेत्रवार होना चाहिए। वृक्षों की कटाई के साथ–साथ वृक्षारोपण अधिक मात्रा में होना चाहिए। अग्निशमन यंत्रों को वनों की सुरक्षा के लिए प्रशिक्षित कर्मचारियों सहित रखना चाहिए।
2. **परिवहन के मार्गों का विकास** :– वनों की सुरक्षा के लिए वन क्षेत्रों में सड़कों तथा संचार के साधनों का विकास आवश्यक है ताकि वनों की भली प्रकार से देखभाल की जा सकती है एवं वनों का विकास भी किया जा सकता है।
3. **वानिकी विकास** :– परम्परागत वानिकी के अलावा ऐसी समय की नवीन आवश्यकताओं के अनुरूप खेत वानिकी, विस्तार वानिकी, रक्षा पंक्ति वानिकी आदि के विकास पर जोर दिया जाना चाहिए।
4. **वनों को आग से बचाना** :– वनों में अग्नि शामन के लिए आवश्यक उपकरण तथा प्रशिक्षित कर्मचारियों को तैयार किया जाना चाहिए।
5. **वन संरक्षण के प्रति लोगों में चेतना जागृत करना** :– प्राचीन काल में वनों को अत्याधिक महत्व दिया जाता रहा है। अग्नि पुराण में कहा गया है कि

एक वृक्ष दस पुत्रों के बराबर होता है। लोगों में वनसंरक्षण के प्रति जागरूकता पैदा करने का प्रयास किया जाना चाहिए।

(उपरोक्तानुसार विस्तार एवं अन्य बिन्दुओं पर भी विस्तार देने पर पुर्ण बिन्दु पर 1 अंक एवं पूर्ण पर 5 अंक प्राप्त होंगे)

उत्तर 16. भारतीय कृषि की प्रमुख समस्याएं निम्नलिखित है :–

1. **मानसून आधारित कृषि** :– भारत में कृषि मुख्य रूप से मानसून पर निर्भर रहती है। देश की केवल एक तिहाई भाग ही सिंचित है। मानसून की अनियमितता और अनिश्चिता के कारण देश की कृषि प्रभावित होती है। कभी सूखा और कभी बाढ़ की समस्या भी रहती है।
2. **फसलों की निम्न उत्पादकता** :– भारत देश का विस्मृत क्षेत्र वर्षा पर निर्भर होने के कारण फसलों की उत्पादकता पर प्रभाव पड़ता है और उत्पादन कम होता है।
3. **छोटे तथा बिखरे हुए खेत** :– कृषक परिवारों में हिस्से बंटवारे के कारण खेती की साइज छोटी होती जा रही है और अलग–अलग स्थानों पर होने से उन्नत कृषि नहीं की जा सकती है।
4. **अल्प रोजगार के अवसर** :– मानसूनी आधारित कृषि क्षेत्रों के कृषकों को वर्षभर कार्य करने का अवसर प्राप्त नहीं होता है।
5. **वित्तीय संसाधनों की कमी** :– कृषकों को ऋण लेकर खंती करनी पड़ती है। फसल कम होने, खराब होने पर वे कर्ज के बोझ तले दब जाते है यही क्रम बरसों तक चला रहता है।
6. **कृषि योग्य भूमि की उर्वरता में कमी** :– वर्तमान में कीटनाशक, रसायनों, रासायनिक उर्वरकों का अत्यधिक मात्रा में प्रयोग किये जाने के कारण भूमि की उर्वरता कम होती जा रही है।

(उपरोक्तानुसार विस्तार करने पर प्रत्येक बिन्दु पर 1 अंक एवं पूर्ण पर 6 अंक प्राप्त होंगे)

अथवा

चावल की फसल के लिए आवश्यक भौगोलिक दशाएं निम्नलिखित है :–

1. चावल की फसल उष्ण और आर्द्र मानसूनी दशाएं की उपज है।
2. चावल बोते समय 20^0C तथा पैदावार बढ़ते समय 24^0C तापमान होना चाहिए।
3. चावल की फसल पकते समय तापमान लगभग 27^0C होना चाहिए।
4. चावल की फसल के लिए वार्षिक वर्षा 150 सेमी से 200 सेमी आवश्यक है।
5. चावल की फसल के लिए उपजाऊ चिकनी या चीका दोमट मिट्टी की आवश्यकता होती है।
6. चावल की फसल उत्पादन के लिए भूमि समतल होना चाहिए ताकि खेतों में पर्याप्त पानी भरा रह सके।
7. सस्ते श्रमिक उपलब्ध होना चाहिए ताकि फसल बोना, जोतना, रोपना, काटना आदि कार्य हाथ से करना पड़ते है। इसलिए घनी आबादी वाले प्रदेश में सस्ते मजदूर प्राप्त हो जाते है।

(उपरोक्तानुसार विस्तार एवं अन्य बिन्दुओं का भी विस्तार करने पर पूर्ण 6 अंक प्राप्त होंगे। प्रत्येक बिन्दु पर 1 अंक एवं पूर्ण पर 6 अंक प्राप्त होंगे)

– – – – –